



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी/एन्थीसाइटिस रलिटेटेड आर्थराइटिस (जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ)

के संस्करण 2016

1. जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी/एन्थीसाइटिस रलिटेटेड आर्थराइटिस (जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ) क्या है?

1.1 ये क्या है?

जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ के अंतर्गत वह बीमारियां आती हैं जिनमें लम्बे समय तक जोड़ों की सूजन होती है अतः हड्डियों और मांसपेशियों को जोड़ने वाली टेन्डेनों की सूजन होती है (उस जगह पर जहाँ वे हड्डी से मलित हैं)। यह अधिकतर पैरों में होती है पर कभी-कभी ये पीठ के जोड़ों में भी हो सकती है। (नचिली पीठ और कूल्हे के जोड़ों की सूजन अर्थात् सेक्रोईलियाटिस से कूल्हे में दर्द होता है)। जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ उन लोगों में ज्यादा होती है जिनमें HLA- बी27 जीन होता है। हैरानी की बात यह है कि HLA- बी27 जीन वाले कुछ ही लोगों में यह बीमारी होती है। अर्थात् HLA- बी27 का होना बीमारी का एक मात्र कारण नहीं है हमें यह पता नहीं है कि बी0 27 का इस बीमारी के होने में क्या योगदान है? कभी-कभी आँत या पेशाब की नली में संक्रमण से बीमारी के लक्षणों की शुरुआत हो सकती है जिसे रएक्टिव आर्थराइटिस कहते हैं। बच्चों में इस बीमारी के कुछ लक्षण और उनकी गंभीरता बड़ों से भिन्न हो सकती है। फिर भी ये बीमारी बड़ों में होने वाली स्पान्डिलोआर्थोपैथी (रीढ़ और जोड़ों की बीमारी) से मलित जुलती है। बच्चों में होने वाली यह बीमारियां जिनमें जोड़ों की सूजन के साथ एन्थीसाइटिस होती है वे भी जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी के अंतर्गत आती हैं।

1.2 कनि बीमारियों को जुवेनाइल स्पा -इ आर ऐ कहते हैं?

जैसे कि ऊपर बताया गया है कि जुवेनाइल स्पान्डिलोआर्थोपैथी एक बीमारी के समूह का नाम है जिनके लक्षण एक दूसरे से मेल खाते हैं जैसे रीढ़ की हड्डी व जोड़ों में प्रभाव। आंक्यलोसगि स्पान्डिलाइटिस, सोरअटिक आर्थराइटिस, रएक्टिव आर्थराइटिस जो आँत की बीमारियों के साथ सम्बन्धित है। एंथेसिटिस रलिटेटेड आर्थराइटिस व सोरअटिक आर्थराइटिस दो अलग बीमारियाँ हैं जो जुवेनाइल स्पा सम्बन्धित हैं।

1.3 यह बीमारी कतिनी प्रचलति है?

जुवेनाइल स्पा-इ आर ऐ बच्चों में होने वाली जोड़ो की बीमारियों में काफी प्रचलति है। यह लडकों में लडकियों की तुलना में ज्यादा पाई जाती है। दुनिया के कुछ भागों में यह बच्चों के गठिया रोग का 30% तक हो सकती है। अधिकतर इसके पहले लक्षण 6 साल की उम्र के आसपास शुरू होते हैं। चूंकि काफी जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ. के मरीज (करीब 85%) में HLA बी27 होता है इसलिये इसका प्रचलन जनता अथवा परिवार में HLA बी27 के प्रचलन पर निर्भर है।

1.4 इस बीमारी के क्या कारण है?

जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ का कारण पता नहीं है। इसमें हमारे जीन जैसे की HLA बी27 व कुछ और जीन बीमारी होने की संभावना को बढ़ाते हैं। आज-कल यह समझा जाता है कि एच0एल0ए0 बी0-27 जो कि इस बीमारी से संबन्धित है वह ठीक से बनता नहीं है (ऐसा 99% एच0एल0ए0 बी0-27 वाले स्वस्थ लोगों में नहीं होता है) और जब वह अन्य कणों व उनके द्वारा बनाये गये पदार्थों से मलित है तो व बीमारी को शुरू करता है। पर यह बताना जरूरी है कि एच0एल0ए0 बी0-27 बीमारी का कारण नहीं है परन्तु उसमें उसका सहायक योगदान है।

1.5 क्या ये माता-पिता से बच्चों में आ सकती है?

एच0एल0ए0 बी0-27 जीन अन्य जीन किसी ब्यक्ति में जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ होने की संभावना को बढ़ाते हैं। हम यह भी जानते हैं कि करीब 20% इस बीमारी के मरीजों में उनका कोई रश्तेदार भी प्रभावित होता है। अतः यह बीमारी परिवार में कई लोगों को हो सकती है। पर यह वांशिक बीमारी नहीं है। यह सिर्फ 1% एच0एल0ए0 बी0-27 रखने वाले लोगों होती है। दूसरे शब्दों में कहे तो 99% एच0एल0ए0 बी0-27 रखने वाले लोगों को जुवेनाइल स्पा-इ.आर.ऐ नहीं होता। अलग-अलग जातियों में अलग जीन पाये गये हैं।

1.6 क्या इसका बचाव संभव है?

इसका बचाव संभव नहीं है क्योंकि इसके कारण अज्ञात है। अगर मरीज के भाई बहनों में बीमारी के लक्षण नहीं हैं तो उनकी एच0एल0ए0 बी0 27 जाँच करने का कोई फायदा नहीं।

1.7 क्या ये सक्रमण की बीमारी है?

नहीं, ये सक्रमण की बीमारी नहीं है, उन लोगो में भी नहीं जनिमे सक्रमण से बीमारी शुरू होती है। यह भी है कि सब लोग जनिमे एक समय पर एक ही बैक्टीरिया से सक्रमण होता है जुवेनाइल स्पा -ई आर ऐ से प्रभावित नहीं होते हैं।

1.8 इसके प्रमुख लक्षण क्या है?

जुवेनाइल स्पा-इ आर ऐ के कुछ सामान्य लक्षण होते हैं।

जोड़ों में दर्द

इसके प्रमुख लक्षण है :जोड़ों में दर्द और सूजन और जोड़ों को पूरी तरह से हलाना पाना। बहुत बच्चों में टांग के कुछ जोड़ों में प्रभाव होता है। ओलगिओआर्थरटिसिस का मतलब है 4 या 4 से कम जोड़ों में प्रभाव होना। लंबे दौरान वाली बीमारी वाले बच्चों में पोल्यार्थरटिसिस हो सकता है। पोल्यार्थरटिसिस का मतलब होता है 4 से अधिक जोड़ों में प्रभावित होना। जोड़ों की सूजन अधिकतर घुटने, एड़ी, तलवे के बीच का हस्सिसा ओर कूलहा; कभी-कभी पैर के छोटे-छोटे भी जोड़ों में प्रभावित हो सकते हैं।

कुछ बच्चों में हाथ के जोड़ों में सूजन हो सकती है खासकर कंधों में।

एन्थीसाइटिस

एन्थीसाइटिस, इसका मतलब है उस जगह में सूजन जहाँ टेन्डेन या लगिमेन्ट हड्डी से जुड़ती है। यह स्पा-इ आर ऐ का दूसरा लक्षण है यह खासकर एड़ी में, तलवे के बीच में और घुटने के चारों तरफ पाई जाती है। जिसमें इन जगहों में दर्द होता है। लम्बे समय तक सूजन से हड्डी में बढ़त हो सकती है खासकर एड़ी में जिससे एड़ी में दर्द होता है।

सेक्रोईलियाटिस

इसका मतलब है किकमर ओर कूलहे के पीछे के जोड़ों में सूजन। बीमारी की शुरुआत में इसके होने की संभावना कम है। यह बीमारी की शुरुआत के 5 से 10 साल बाद होता है। कूलहे में दर्द इसका प्रमुख लक्षण है।

कमर में दर्द, स्पान्डिलाइटिस

रीढ़ की हड्डी की सूजन शुरुआत में बहुत कम लोगों में होती है। ये बीमारी में कुछ समय बाद हो सकती है। प्रमुख लक्षण है: कमर दर्द, सुबह-सुबह जोड़ों में अकड़न ओर जोड़ों को हलाने में कठिनाई। कमर में दर्द के साथ गर्दन ओर छाती में भी दर्द हो सकता है। रीढ़ की हड्डी में लम्बी बीमारी से कभी-कभी हड्डियों के बीच में पुल बन जाते हैं (वैम्बू स्पाइन)। लेकिन ये सिर्फ कुछ ही मरीजों में ओर लम्बी बीमारी के बाद ही मिलता है। इसलिये ये सामान्यतः बच्चों में नहीं पाया जाता है।

आँख का प्रभाव

एक्यूट एंटीरियर उवेइटिस आँख की झिल्ली की सूजन को कहते हैं। यह एक असाधारण लक्षण है और यह एक तर्हाई मरीजों के एक बार या बार बार हो सकता है। एक्यूट एंटीरियर उवेइटिस आँख में दर्द, लाली, व दूधलापन कर सकता है जो कई हफ्ते रहता है। अधिकतर एक समय पर यह एक आँख को प्रभावित करता है पर बार बार हो सकता है। इसका उसी समय आँख के डॉक्टर से इलाज करना जरुरी है। यह ओलगिओआर्थरटिसिस व एनए के साथ, लड़कियों में पाये जाने वाले उवेइटिस से भिन्न है।

चमड़ी पर प्रभाव

जुवेनाइल स्पा-ई आर ऐ मै कुछ बच्चों को या तो पहले से ही सोरऑसिस होता है या उन्हें बाद में हो जाता है। इन मरीजों को इ आर ऐ नहीं कहते व उन्हें सोरऑटिकि आर्थराइटिस कहा जाता है। ये एक लम्बे दौरान की चमड़ी की बीमारी है जिसमें चमड़ी उधड़ने लगती है खासकर कोहनी और घुटनों पर। कुछ बच्चों में चमड़ी की बीमारी, जोड़ों की सूजन से बहुत पहले आ जाती है और कुछ में बहुत बाद में।

आँत पर प्रभाव

कुछ बच्चों में आँत की बीमारियां जैसे क्रोहन्स डिजीज व अल्सरेटिव कोलिटिस के साथ स्पोन्डायलोअर्थरोपैथी हो सकती है। इ आर ऐ में आँत का प्रज्वलन शामिल नहीं है। पर कुछ बच्चों में आँत में सूजन हो सकती है (बिना किसी लक्षण के) और जोड़ों का दर्द ही ज्यादा होता है, जिस के लिए दवा लेनी पड़ती है।

1.9 क्या ये बीमारी हर बच्चे में एक सी होती है?

यह बीमारी के अनेक रूप हैं। कुछ बच्चों में यह बहुत हल्की व थोड़े समय के लिये होती है और कुछ बच्चों में यह लम्बे दौरान के लिए व गंभीर होती है। अतः यह संभव है कि बहुत बच्चों में यह सिर्फ एक जोड़ को कुछ हफ्तों के लिए प्रभावित करे और दोबारा कभी न हो।

1.10 क्या ये बीमारी बच्चों में बड़ों से अलग होती है?

जुवेनाइल स्पा -ई आर ऐ के प्रारंभिक लक्षण बड़ों में हनि वाले स्पा से अलग होते हैं, पर वो दोनों सामान प्रकार की बीमारियां हैं। बीमारी की शुरुआत में बच्चों में हाथ और पैर के जोड़ों पर प्रभाव ज्यादा होता है जबकि बड़ों में रीढ़ की हड्डी पर प्रभाव ज्यादा होता है। बीमारी की गंभीरता बच्चों में ज्यादा होती है